IV. CORE COURSE -C 3: (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
कोर पाठ्यक्रम –C 3: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100	Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल) एवं रीतिकालीन कविता

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 रीतिकाल का नामकरण और काल सीमा, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ।

इकाई –2 रीतिबद्ध काव्यधारा, रीतिसिद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्यधारा।

इकाई –3 **रीतिकाल के कवि** –चिन्तामणि, मतिराम, बिहारी, घनान्द, पद्माकर भूषण की कविताएं

निर्धारित पाठ्य पुस्तक :

- स्वर्ण मंजूषा संपादक– नलिनविलोचन शर्मा, केशरी कुमार

अनुशंसित पुस्तकें :–

- हिन्दी साहित्य का इतिहास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- हिन्दी रीतिकाव्य : डॉ0 भगीरथ मिश्र
- रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ0 नगेन्द्र
- बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ0 बच्चन सिंह
- बिहारी सतसई संजीवनी भाष्य : पदम सिंह शर्मा
- बिहारी बोधिनी : लाला भगवान दीन
- बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथ दास रत्नाकर
- रीतिकाव्य का नया मूल्यांकन : डॉ0 जगदीश्वर प्रसाद
- बिहारी सार्धशती : डॉ0 ओमप्रकाश
- बिहारी भाष्य : प्रोफेसर वकील सिंह
- घनान्द का काव्य : डॉ0 रामदेव शुक्ल